प्रेस विज्ञप्ति

संसाधनों के अविवेकपूर्ण दोहन से पृथ्वी पर खतरे का बादल मण्डरा रहा ...

रायपुर, 7 दिसम्बर 08 : राज्यपाल महामहिम इ. एस. एल. नरसिम्हन ने कहा कि लोभवश धरती के संसाधनों का अविवेकपूर्ण दोहन करने के कारण पृथ्वी पर खतरे के बादल मण्डरा रहे हैं। धरती का तापमान बढ़ने, ग्लेशियरों के पिघलने तथा अम्लीय वर्षा होने जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। इन संकटों के लिए हम सभी जिम्मेदार हैं।

श्री नरसिम्हन आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं इन्जीनियर प्रभाग द्वारा बलौदाबाजार मार्ग स्थित शान्ति सरोवर में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय महासम्मेलन का उद्घाटन करने के उपरान्त अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रकृति में हमारी जरूरतों को पूरा करने की पूरी क्षमता है लेकिन वह हमारे लोभ को पूरा नहीं कर सकती। पृथ्वी की रक्षा करने के लिए हमें अपने लोभ पर नियंत्रण करना होगा। उन्होंने पुरातन भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए बतलाया कि पहले जमाने में नदियों में नहाते समय साबुन का प्रयोग नहीं करते थे, कपड़े आदि नहीं धोते थे इसलिए नदियों का पानी प्रदूषित नहीं होता था।

श्री नरसिम्हन ने कहा कि धरती की रक्षा के लिए किया जा रहा ब्रह्माकुमारी संस्थान का यह प्रयास अत्यन्त सराहनीय है। उन्होंने कहा कि अपने मन की अशान्ति के लिए मनुष्य स्वयं जिम्मेदार है। जीवन में आन्तरिक खुशी सिर्फ बाहरी वस्तुओं से नहीं मिल सकती हैं। इसलिए भौतिकता के साथ-साथ आन्तरिक शान्ति भी जरूरी है। भौतिकवादी सुख की चाह में इन्सान जीवन के लक्ष्य को भूलता जा रहा है। जो कि मानवता के आगे बड़ी समस्या बन चुका है।

इन्दौर जोन के निदेशक ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश ने अपने आशीर्वचन में कहा कि विज्ञान ने मानव जाति को अनेकों सुख के साधन दिए हैं। लेकिन इसके साथ ही जीवन में दु:ख, अशान्ति और तनाव भी बढ़ रहा है। पर्यावरण के अत्यधिक दोहन से वायुमण्डल में कार्बन डाई आक्साइड की मात्रा बढ़ रही है। पर्यावरण की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है।

भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यकारी निदेशक (वित्त) टी. के. गुप्ता ने कहा कि सकारात्मक सोच और सकारात्मक जीवन से ही जीवन में सुख और शान्ति मिल सकती है। लगन और दृढ़ता के बिना सफलता नहीं मिल सकती।

माउण्ट आबू से पधारे वैज्ञानिक और अभियन्ता प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक ब्रह्माकुमार मोहन सिंघल ने कहा कि प्रकृति के साथ मानव जाति का गहरा सम्बन्ध है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ पेड़-पौधों के प्रति भी प्यार होना जरूरी है। सभा को क्षेत्रीय प्रशासिका ब्रह्माकुमारी कमला बहन ने भी सम्बोधित किया। समारोह में ब्रह्माकुमारी नवनीता ने गीत प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया।

(शेष अगले पृष्ठ २ पर ...)

(वैज्ञानिक-इन्जी. महासम्मेलन ... पिछले पृष्ठ का शेष ..)

इसके उपरान्त मुम्बई के प्रबन्धन विशेषज्ञ बी. के. स्वामीनाथन ने व्यक्तिगत कौशल को बढ़ाने के लिए मनोबल में वृद्धि विषय पर बहुत ही रोचक व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री नरसिम्हन ने **धरती की रक्षा** (Save the Earth Planet) नामक अखिल भारतीय अभियान का छत्तीसगढ़ में शुभारम्भ किया। महासम्मेलन में सेंचुरी सिमेन्ट बैकुण्ठ के अध्यक्ष एम. सी. गुप्ता, नेको इस्पात संयंत्र के अध्यक्ष एस. बी. सिंग, प्रमुख सचिव एवं इ.कृ.वि.वि. के कुलपति एस. मिंज, पानीपत के भारत भूषण, बड़ौदा के सलाहकार नरेन्द्र पटेल, भिलाई इस्पात संयंत्र के महाप्रबन्धक एस. एन. सिंग सहित देश-भर से जाने-माने प्रबन्धन विशेषज्ञ, प्रशासक, बैंकों के महाप्रबन्धक, इन्जीनियर एवं वैज्ञानिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मीडिया प्रभाग
प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज, विश्व शान्ति भवन,
चौबे कालोनी, रायपुर
दूरभाष क्र. 2253253, 2254254